हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 12 सितंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने किया ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

मण्डला। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सोमेश मिश्रा ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडला में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, निर्वाचन अधीक्षक अरूण कुशवाहा, सीके तिवारी, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 12 सितंबर को

मण्डला। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 12 सितंबर दिन शुक्रवार को दोपहर 2.20 बजे से आयोजित की गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा, निर्माण कार्यों, छात्रावास एवं आश्रम भवनों के निर्माण, जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, कृषि विभाग, पीएम आवास सहित अन्य विषयों की समीक्षा की जायेगी। विदित है कि पहले यह बैठक 2 बजे से आयोजित होने वाली थी।

सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 12 सितंबर को

मण्डला। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 12 सितंबर को 11:30 बजे से आयोजित की गई थी। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 12 सितंबर को होने के कारण सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का समय 11:30 बजे परिवर्तित करते हुए दोपहर 1 बजे से किया गया है। बैठक का एजेंडा पूर्वानुसार रहेगा।

एसडीओ 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

ए.सी. कार्यालय का भ्रष्टाचार उजागर

*** अभी और भी काले कारनामों की खुलेंगी परतें।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जबलपुर लोकायुक्त टीम ने गुरुवार 11 सितंबर को जिला मुख्यालय मंडला में बड़ी कार्रवाई करते हुए जनजातीय कार्य विभाग के सहायक यंत्री को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। लोकायुक्त कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आवेदक रौशन कुमार तिवारी, निवासी पौराधार (अनुपपुर) ने शिकायत की थी कि उनकी फर्म बोरिंग बिल्डर्स द्वारा वर्ष 2024 में आदिवासी जनजातीय विभाग मंडला में रिपेयर एवं मेंटेनेंस का कार्य पूरा किया जा चुका है। कार्य का बिल भुगतान कराने के बदले विभाग के सहायक यंत्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता (61) द्वारा 56,000 रूपये की रिश्वत की मांग की जा रही थी। लोकायुक्त टीम ने शिकायत की पुष्टि के बाद गुरुवार को ट्रैप कार्रवाई की। तय योजना के तहत आरोपी गुप्ता को पहली किश्त के रूप में 20,000 रूपये लेते ही दबोच लिया गया। घटनास्थल जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय, जिला मंडला रहा। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) व 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। ट्रैप दल में शामिल अधिकारी दल प्रभारी निरीक्षक राहुल गजभिये, निरीक्षक जितेंद्र यादव, निरीक्षक शशिकला मस्कुले, उपनिरीक्षक शिशिर पांडेय सहित जबलपुर लोकायुक्त की विशेष टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई के बाद जिले में सरकारी दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर हड़कंप मच गया है।

एसी कार्यालय में भ्रष्टाचार का पर्याय बना था यह अधिकारी

लगभग 06 माह पूर्व नरेन्द्र कुमार गुप्ता एसडीओ के रूप में मण्डला पदस्थ हुआ और तभी से इसने पूरे जनजातीय कार्य विभाग की बागडोर अपने हाथ में ले ली थी। एक बड़े आयोजन के दौरान शहर के बीचोंबीच स्थित एक हॉटल में जिले के तमाम छात्रावास अधीक्षक, बीईओ एवं शिक्षा विभाग में निर्माण से जुड़े ठेकेदार और तकनीकि अधिकारी इसे रिपोर्ट कर रहे थे आखिर ऐसा कौन सा गुप्त एजेंडा था कि विभाग के ये सभी शीर्ष अधिकारी इस व्यक्ति से मिलने जा रहे थे और इसके बाद से लगातार जितने भी निर्माण कार्य या फिर शिक्षकों का संलग्नीकरण, स्थानांतरण हुये उन सब में इस व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही या फिर यूं कहे कि सौदेबाजी में इसका प्रमुख हाथ रहा।

विभागीय सूत्रों की माने तो कुछ समय पूर्व जो विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की नई नियुक्ति हुई थी उसके पीछे भी इन्हीं का सहयोग बताया जा रहा है और वर्तमान में जो शिक्षकों के संलग्नीकरण दावे के साथ किये गये उसके लिये भी व्यक्ति की पहुंच काम आ रही थी आखिर इसके ऊपर किसका हाथ था जिसके चलते 06 माह पूर्व मण्डला आया यह व्यक्ति एक तरह से शिक्षा विभाग का बॉस बनकर बैठा था।

जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय में एक अलग से चेम्बर का निर्माण इस अधिकारी के लिये किया गया और यहां पूरे दिन तकनीकि अधिकारियों एवं ठेकेदारों की बैठकें हुआ करती थीं कार्यालय के किसी अधिकारी, कर्मचारी की मजाल नहीं जो इन बैठकों के दौरान किसी तरह का खलल डाल सके।

इसे इत्तेफाक कहें या कुछ और कि एक ही सरनेम के तीन व्यक्ति इस कार्यालय में पॉवर का पर्याय बने हुये हैं जिसमें से एक व्यक्ति अब लोकायुक्त की पकड़ में आ चुका है आने वाले समय में क्या और भी विकेट गिरने वाले हैं या फिर वक्त की नजाकत को समझते हुये लोग अपने कारनामों पर विराम लगा लेंगे या फिर ब्रेक?

स्थानीय स्तर पर क्यों नहीं लिया जाता संज्ञान

पिछले 10 वर्षों में 100 से ज्यादा ऐसे मामले होंगे जबकि लोकायुक्त के द्वारा जिले के अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामले में रंगे हाथों पकड़ा गया प्रश्न यह उठता है कि इनकी काली करतूतें जब जबलपुर में बैठे अधिकारियों तक पहुंच सकती हैं तो फिर क्या जिला प्रशासन इनकी करतूतों से अनजान रहता है इस पर विश्वास करना कठिन है लेकिन जिस अधिकारी के द्वारा भ्रष्टाचार लगभग जगजाहिर है उस पर जिला प्रशासन द्वारा अनदेखी करना या उसे ईमानदार समझना कहीं न कहीं प्रशासनिक व्यवस्था पर ही प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

जिले में पदस्थ पटवारी हो, सहकारी समितियों का प्रबंधक हो, जनपद का कोई अधिकारी हो या फिर अन्य विभागों के अधिकारी जब खुलेआम रिश्वत मांग रहे होते हैं तो यह तो समझा जाना चाहिये कि इसकी खबर सभी को होगी।

आम आदमी पार्टी मंडला जिला अस्पताल में डॉक्टर्स की नियुक्ति के लिए लेगा हाई कोर्ट की शरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आम आदमी पार्टी मंडला जिलाध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि आम आदमी पार्टी मंडला के द्वारा लगभग 6 माह से अस्पताल की अव्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाती आ रही है। जिले अस्पताल में विशेषज्ञों की कमी, सोनोग्राफी मशीन का हर मरीज के लिए संचालन, हृदय रोग विशेषज्ञ , कान नाक गले का डॉक्टर, पेट का डॉक्टर, मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ, प्रसूतिक वार्ड में बेड की संख्या बढ़ाने जैसे अनेक मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री को जिला कलेक्टर मंडला के माध्यम से ज्ञापन देने के बाद और आम आदमी पार्टी मंडला के द्वारा 3 दिवसीय धरना प्रदर्शन और आंदोलन के पश्चात भी, आज दिनांक तक कोई व्यवस्था नहीं की गई। जबकि मंडला जिले की जनसंख्या लगभग 10 लाख है। बहुत दुख की बात है कि अगर जिले में किसी व्यक्ति के कान में एक छोटा सा कीड़ा भी चले जाए तो उसके लिए भी बड़े शहरों का रुख करना पड़ेगा। जबकि पिछले कुछ वर्षों में हृदय रोगियों की संख्या में भरी इजाफा हुआ है। अगर किसी को हार्ट अटैक हो जाए तो उसके पास कुछ समय ही होता है,अगर समय पर विशेषज्ञ के द्वारा उचित इलाज न मिले तो मरीज को जान से हाथ धोना पड़ता है।इन सब जनहितैषी मांगो को लेकर आम आदमी पार्टी मंडला अब हाई कोर्ट का रुख अपनाने वाली है। जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि हाईकोर्ट में वकील से बात हो चुकी है कुछ दस्तावेज एकत्रित किए जा रहे हैं। अनेक बार शासन प्रशासन से निवेदन के बाद अब केवल हाईकोर्ट से ही उम्मीद बाकी है।

राकेश शुक्ला बने संभागीय उपाध्यक्ष

मण्डला। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के संभागीय अध्यक्ष के अनुशंसा पर उच्च श्रेणी शिक्षक राकेश शुक्ला को संभागीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राकेश शुक्ला के संभागीय उपाध्यक्ष बनने पर जिला अध्यक्ष सतीश मिश्रा सचिव रवि साहू उपाध्याक्ष ज्ञानलता कुजूर, कोषाध्यक्ष कविता शुक्ला एवं समस्त संघ कार्यकारिणी द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाइयां प्रेषित की गई हैं।

स्वर्गीय मुस्ताक अहमद प्रीमियर फुटबॉल लीग में झंडा टोला व धनगांव ने दर्ज की जीत

मण्डला। गुरुवार को महात्मा गांधी स्टेडियम में स्वर्गीय मुस्ताक अहमद प्रीमियर फुटबॉल लीग के अंतर्गत पहला मैच झंडा टोला व आजाद टिकरिया के बीच खेला गया। इस मैच में झंडा टोला ने आजाद टिकरिया को 3 गोल से हराया। झंडा टोला की तरफ से अखलेश ने और अंकित ने 1 गोल किया। दूसरा मैच में धनगांव और झंडाटोला के बीच खेला गया। इस मैच में झंडाटोला ने धनगांव को 3/2 से हराया। धनगांव की तरफ़ से रितेश व लखन एक एक गोल किए। झंडाटोला की तरफ़ से अनुराग ने 2 व अंकित ने 1 गोल किया। तीसरा मैच आजाद टिकरिया व धनगांव के बीच खेला गया। इस मैच में धनगांव ने आज़ाद टिकरिया को 2 / 0 से हरा दिया। इस मैच में धनगांव की तरफ़ से पहला गोल रितेश व दूसरा गोल लखन ने किया। शुक्रवार को पहला मैच 2 बजे से खेल विभाग व यंग स्टार मंडला और दूसरा मैच 3 बजे से नैनपुर व झंडाटोला के बीच खेला जायेगा।

प्रत्येक अवतार अधर्म का नाश करने के लिये होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

माँ नर्मदा के पावन तट, श्री हनुमान घाट मंडला में दिनांक 09 सितम्बर से प्रारंभ श्रीमद्भागवत कथा में, तृतीय दिवस का आयोजन विशेष रूप से भक्तिमय रहा। पूज्य श्री ज्ञानदेव जी महाराज (श्रीधाम वृन्दावन) ने अपने मधुर वचनों से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। मुख्य प्रसंग के दौरान समुद्र मंथन की कथा श्रोताओं को श्रवण कराई गई महाराज श्री ने समझाया कि जैसे देवता और दैत्य क्षीरसागर का मंथन करते हैं, वैसे ही मानव हृदय में भी अच्छे और बुरे विचारों का मंथन चलता रहता है।

भगवान के 24 अवतार हुये हैं और प्रत्येक अवतार सज्जनों की रक्षा और अधर्म का नाश करने के लिए ही होता है।

मनुष्य का चंचल मन साधना, ध्यान और भक्ति के द्वारा ही स्थिर होकर आत्मज्ञान की ओर बढ़ता है। कथा का सार यही है कि मनुष्य अमृत रूपी सद्गुणों को अपनाए और विष रूपी दुर्गुणों का त्याग करे। नर्मदा तट पर चल रही यह कथा, जीवन को धर्म, भक्ति और साधना के मार्ग पर अग्रसर करने वाली अद्वितीय आध्यात्मिक यात्रा बन चुकी है।

अनदेखी | छात्रावासों में वार्डन नियुक्ति को लेकर शिक्षा विभाग की लापरवाही उजागर

नियुक्ति को लेकर स्थायी शिक्षा समिति की भूमिका संदेहास्पद

*** 07 छात्रावासों में वर्षों से नियुक्ति नहीं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के समग्र शिक्षा सेकेंडरी एजुकेशन अंतर्गत संचालित 7 छात्रावासों में वर्षों से वार्डन की नियुक्ति नहीं की गई है। नियमानुसार प्रत्येक तीन वर्षों में वार्डन का स्थानांतरण या नई नियुक्ति की जानी चाहिए, लेकिन जिला शिक्षा विभाग इस नियम को लगातार नजरअंदाज कर रहा है। लगभग एक वर्ष पूर्व नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू की गई थी, किंतु उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

सूत्रों के अनुसार बिछिया, मोहगांव, मवई, घुघरी, निवास और नारायणगंज क्षेत्रों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावासों में वार्डन की नियुक्ति में लापरवाही बरती जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि लंबे समय से वार्डन नहीं होने के कारण छात्रावासों में मनमानी हो रही है, जिससे छात्राओं को मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। यहां तक कि मरम्मत कार्यों के लिए मिली राशि में भी अनियमितताएं सामने आई हैं।

शिक्षा विभाग की निष्क्रियता से अटका वार्डन नियुक्ति कार्य

शुरुआत में स्कूल स्तर से महिला शिक्षकों के प्रस्ताव मांगे गए थे, परंतु हायर सेकेंडरी स्कूलों से कोई प्रस्ताव नहीं भेजा गया। नियम के तहत प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों से भी प्रस्ताव मंगाए जा सकते थे, लेकिन इस दिशा में भी कोई पहल नहीं की गई। जिला स्तर से निविदा प्रक्रिया आरंभ की गई थी, मगर वह भी अधर में लटक गई, जिससे छात्रावासों में वार्डन नियुक्ति नहीं हो सकी।

राजनीतिक हस्तक्षेप बना नियुक्तियों में बाधा

सूत्रों के अनुसार 4 जुलाई को आयोजित स्थायी शिक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी आदेश तक वार्डन की कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। बताया जा रहा है कि कस्तूरबा गांधी छात्रावासों में वार्डन नियुक्ति प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप मुख्य बाधा बन रहा है। यह निर्णय उस समय लिया गया जब नियुक्ति प्रक्रिया अपने निर्धारित समय पर चल रही थी, जिससे अनेक सवाल खड़े हो गए हैं।

ज्ञात हो कि जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त ही शिक्षा समिति की सचिव भी हैं। जिले में जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित 167 छात्रावासों एवं आश्रमों में भी वर्षों से नई भर्ती नहीं की गई है। शिक्षा समिति द्वारा नियमों की अनदेखी करने से छात्रावासों की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग गया है।

लोगों ने जिला प्रशासन से लगाई गुहार-

अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि जब शासन द्वारा स्पष्ट नियम बनाए गए हैं, तो वार्डन की नियुक्ति प्रक्रिया को क्यों रोका जा रहा है? क्या इसके पीछे कोई बड़ा खेल छिपा है? यदि नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से प्रचलन में है, तो आज दिनांक तक नियुक्ति क्यों नहीं की गई?

ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए विभाग को शासन के नियमों के अनुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित करें, साथ ही नियमों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए।

शौर्य भूमि

कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में वार्डनों की नियुक्ति अधर में

वर्षों से जमीं पुरानी वार्डनों पर ही मेहरबानी क्यों?

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 3 वर्ष पूर्व गुम बालिका को पुलिस ने हरियाणा से किया सकुशल दस्तयाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

गुम/अपहृत बालक बालिकाओं को ढूंढकर उनके परिजनों को सुपुर्द किए जाने हेतु पुलिस मुख्यालय से प्रदेश स्तरीय मुस्कान अभियान चलाया जा रहा हैं। मंडला जिले में अभियान की मॉनिटरिंग हेतु श्री सतीश कुमार चतुर्वेदी, डीएसपी महिला सुरक्षा शाखा के नेतृत्व टीम का गठन भी किया गया। दिनांक 18 अगस्त से चलाइए गए विशेष अभियान मुस्कान अभियान अंतर्गत मंडला पुलिस द्वारा अलग अलग प्रकरणों में देश के विभिन्न राज्यों में पुलिस टीम भेजकर 27 बालिकाओं को दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द करने में सफलता प्राप्त हुई। अभियान के तहत चौकी मनेरी, थाना बीजाडांडी द्वारा क्षेत्र अंतर्गत 03 वर्ष पूर्व लापता बालिका को हरियाणा से ढूंढकर परिजनों से मिलवाने में भी सफलता प्राप्त हुई। मामले में एसडीओपी निवास श्री पी एस वालरे के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बालिका की लगातार तलाश पतासाजी की जा रही थी तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा बालिका की तलाश हेतु पुरस्कार की घोषणा भी की गई थी। एसडीओपी के नेतृत्व में गठित टीम की लगातार कोशिशों और मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम ने हरियाणा भेजा गया जहां से बालिका को सकुशल ढूंढ कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। उल्लेखनीय हैं कि अभियान के तहत ही मनेरी चौकी पुलिस द्वारा वर्ष 2023 गुम नाबालिक को गुजरात से दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त हुई थी।

उक्त बालिका को दस्तयाब करने में अनुविभागीय अधिकारी निवास, थाना प्रभारी बीजाडांडी के निर्देशन में टीम जिसमें उप निरीक्षक शशांक शुक्ला के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक अरविंद, अभिषेक, आरक्षक मुकेश, आनंद महिला आरक्षक रीना, प्रियंका एवं आरक्षक सूर्यचंद बघेले की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खबर संक्षेप

पत्नी को गाली देने से मना किया तो की मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस शहर के माता वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके पडौस में निवासी करने वाले हल्कू जाटव द्वारा बीते हुये दिवस शराब के नशे में प्रार्थी के घर के सामने पहुंचकर प्रार्थी की पत्नी को गाली गुप्ता कर रहा था। प्रार्थी द्वारा जब गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ट्रक ने मारी कार को टक्कर

सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम दहलवाड़ा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपनी कार क्र. MP22CA4495 से ग्राम दहलवाड़ा से सालीचौका जा रहा था जैसे ही श्रेष्ठ पेट्रोल पंप पुड़ार तिगड्डा पिपरिया रोड के सामने पहुचा तो वहां पर 10 चका लोडिंग ट्रक क्रमांक MP20HB5372 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपने ट्रक को चलाते हुये टक्कर मार दी गई जिसके चलते जहां प्रार्थी को चोटे आई वही दूसरी ओर कार पूर्णरूप से क्षति ग्रस्त होने पर पुलिस ने आरोपी ट्रक इचालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

महिला को नाखून मारकर पहुंचाई चोट

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कल्याणपुर निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि उसके पति हेमराज एवं गांव के आशीष ने मिलकर शराब पी ली थी जो शराब के नशे में बस स्टेन्ट के पास विवाद कर रहे थें। इस दौरान प्रार्थिया आशीष को समझाने गई तो आरोपी द्वारा प्रार्थी की गर्दन पकडते हुये नाखून से नोचते हुये घायल कर दिया तथा गंदी गंदी गालिया देते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

गवाह के साथ दो भाईयों ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कुड़ारी निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि जब वह अपनी मोटर साईकिल से कही जा रहा था उसी समय गांव के संतोष कीर तथा उसका भाई छोटे कीर मिले और प्रार्थी से बोले की तू हमारे केश में गवाह क्यों बना इसी बात को लेकर दोनों भाईयों ने मिलकर प्रार्थी के साथ गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा गवाह देने की बात को लेकर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियो के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

एक राय होकर की गई मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस ाि ने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कुडारी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके लडका राहुल कीर सहित अन्य दो महिलाओं के साथ वही के निवासी अजय कीर, दीपक कीर तथा विकलेश कीर, हेमंत कीर द्वारा एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी व ईट गिट्टा से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कारते हुये जांच में लिया गया है।

शराबी पुत्र ने अपने पिता से की मारपीट

सांईखेड़ा। हर पिता को उम्मीद रहती है कि उसका पुत्र वृद्व अवस्था में उसका सहारा बनेगा। मगर कुछ पुत्र इस तरह होते है कि अपने पिता का सहारा बनने की जगह मारपीट करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ ग्राम सोकलपुर में देखने मिली है जहां पर एक शराबी पुत्र ने अपने पिता के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई।

मैनटेन्स सहित अन्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिये बनाई समिति

नगर की सुरक्षा को लेकर पुलिस विभाग ने गुप्त केमरों को पुनः चालू कराने के लिये आयोजित की बैठक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

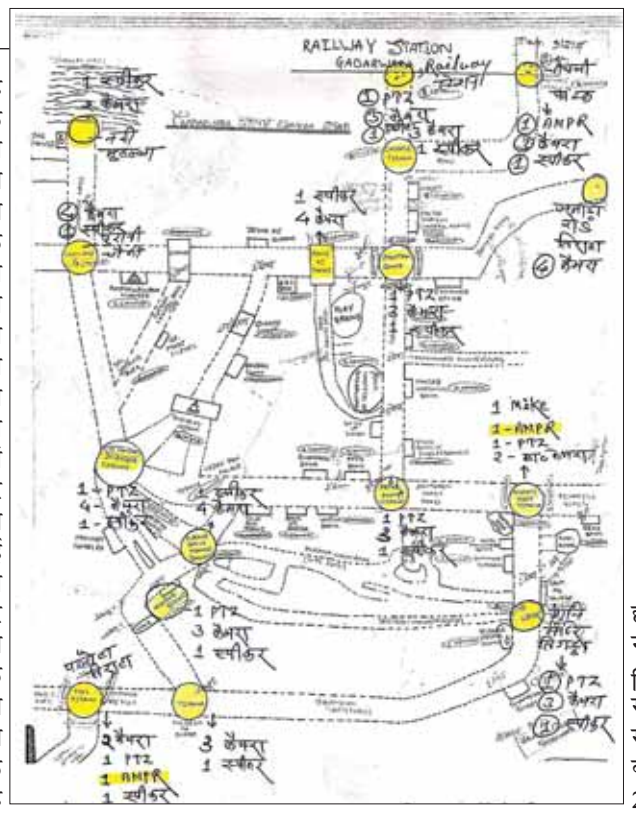

लगातार हाईटेक होते चले जा रहे लोगों के बीच जिस तरह की अपराधिक घटनाये घटित होते हुये देखी जा रही है, उसके चलते जहां आम लोगों को दहशत में देखा जा रहा है तो दूसरी ओर पुलिस के लिये भी चुनौती बनने से नही चूक रही है। इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रयास गाडरवारा पुलिस द्वारा लगातार किये जा रहे है। मगर अक्सर देखा जाता है कि पुलिस थानों में बल की कमी या फिर क्षेत्र में लगातार व्ही ई पी लोगों के दौरा के चलते आधा पुलिस बल निश्चित तौर से उसी में लगा हुआ देखा जाता है। इस स्थिति में नगर की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे होने से नही चूक रही है? इसी बात को ध्यान में रखते हुये लगभग एक साल पहले गाडरवारा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा तत्कालीन टीआई उमेश तिवारी द्वारा नगर की सुरक्षा को लेकर किये जाने वाले प्रयासों को सफल बनाने की लिये नगर के प्रमुख स्थानों पर गुप्त केमरे लगाने की पहल करते हुये इन केमरों को जन सहयोग से स्थापित किया गया था। पुलिस अधिकारियों द्वारा शुरू की गई इस मुहिम को सफल बनाने के लिये नगर के लोगों द्वारा अपनी ओर से काफी सहयोग प्रदान किये जाने का परिणाम था कि नगर के लोगों के लोगों ने नगर की सुरक्षा के लिये अपनी ओर से सहयोग करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस तरह एक साल पहले नगर के विभिन्न संगठनो सहित आमजन द्वारा दिये गये आर्थिक सहयोग से शहर में लगभग 64 स्थानों पर गुप्त केमरों की स्थापना की गई थी। यह केमरे कुछ दिनों तक तो ठीक चले मगर समय समय पर सुधार कार्य नही होने के चलते यह केमरे एक के बाद एक बंद होते चले गये और हाल यह बन चुका है कि वर्तमान समय में मात्र तीन केमरे की चलते हुये देखे जा रहे है। इस स्थिति के चलते नगर की सुरक्षा फिर एक बार भगवान भरोसे होने से नही चूक पाई है। जिन लोगों द्वारा इन केमरों की स्थापना के लिये अपनी ओर से सहयोग प्रदान किया गया था वह भी यह सबाल करने से नही चूक रहे है कि जब हमारे द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है और इसके बाद भी नगर की सुरक्षा के लिये लगाये गये केमरे बंद है इस बात को लेकर अनेक प्रकार की चर्चाये होना आम बात है..? इस तरह नगर की पेहरेदारी में तत्पर रहने वाले उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा बंद हुये केमरों को पुनः चालू कराने तथा जरूरत के हिसाब से नये केमरें और लगाने सहित जिन लोगों ने एक साल पहले केमरा स्थापित करने के लिये आर्थिक रूप से जन सहयोग प्रदान किया गया है उसका संपूर्ण विवरण आमजन तक पहुंचाने की सोच रखते हुये बीते हुये दिवस तहसीलदार सभाग्रह में एक बैठक का अयोजन रखा गया। बताया जाता है कि इस बैठक में नगर के गणमान्य लोगों के साथ साथ व्यापारी, पत्रकारों के आलवा जन सहयोग प्रदान करने वाले लोगों के साथ साथ उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, टीआई विक्रम रजक, तहसीलदार प्रियंका नेता मौजूद रही। इस दौरान नगर के समाज सेवी शैलेन्द्र जैन द्वारा एक साल पहले नगर में केमरा स्थापित करने के लिये नगर के लोगों द्वारा प्रदान किये गये जन सहयोग के रूप में एकत्र हुई राशि तथा खर्च होने वाली राशि का संपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया। इस तरह नगर में केमरा लगाने के लिये तीन लाख रूपया की राशि महेश्वरी, 1 लाख 50 हजार रूपया की राशि शैलेन्द्र जैन तथा एक एक लाख की राशि प्रदान करने वालों में विन्धवासिनी रेल कंपनी, वंशिका कंस्ट्रेक्शन, विनीत महेश्वरी तो अभिषेख सोनी चिरहकला तीस हजार, 51 हजार 500 ट्रेक्टर एसोसिएशन, 50 हजार नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, 50 हजार बंटी तिवारी फर्नीचर, 50 हजार पुलिस थाना स्टाफ, 50 हजार सराफा एसोसिएशन, 51 हजार अशासकीय विद्यालय संगठन, 31 हजार केमिस्ट एण्ड ड्रिगस्ट एसो., 31 हजार कपडा एसो., 25 हजार ज्ञानचंद डागा देश शांति समिति, 21 हजार बसंत सोनी अम्बाजी ज्वेलर्स, 10 हजार नवीन राय, 15 हजार राकेश शर्माद्व 5100 राजा रजक, ,5 हजार शिव शंकर गुप्ता (मुन्ना भाई), 2100 अशोक भार्गव तथ मात्र 1100-1100 की राशि के रूप में सहयोग करने वालों में अभिषेख साहू, विनोद कौरव, जिनेश जैन शामिल है। वही 1 हजार मनीष तथा 1 लाख 7 हजार रूपया की राशि तत्कालीन टीआई उमेश तिवारी के पास अलग अलग जगहों से प्राप्त हुई। इस प्रकार से कुल मिलाकर 13 लाख 39 हजार रूपया का सहयोग प्राप्ता हुआ था। वही केमरों को लगाने में कुल मिलाकर 13 लाख 74 हजार रूपया की राशि खर्च हो चुकी है जिसमें केमरा लगाने वाही कंपनी को अलग अलग तारीखों पर 13 लाख 53 हजार रूपया की राशि का भुगतान किया जा चुका है। वही भुगतान के लिये शेष 21 हजार रूपया की राशि बाकी है। वही नगर में कुल 63 स्थानों पर केमरा लगाये गये थें जिसमें रेलवे स्टेशन पर 4, चीचली तिरहा पर 3, चीचली फाटक के पास से 3, पलोटन गंज में 4, पानी टंकी के पास से 4, चांवडी पर 2, चौकी पर 3, नदी में 4, झंडा चौक पर 4, शक्ति चौक पर 2, पुराना बस स्टेन्ड पर 3, जवाहर मंडी में 4, नया बस स्टेन्ड पर 4, निरंजन वार्ड डा परेश के सामने 2, महाकाल चौराहा पर 3, पलोहा नाका पर 3, शनि मंदिर के पास से 4, आमगांव नाका पर 4, छीपा तिरहा के पास से 3 केमरा स्थापित किये गये थें। इस तरह कुल 63 केमरे लगये गये थें। यह केमरों के लगने के बाद नगर में घटित हुई अनेक छोटी व बड़ी घटनाओं के आरोपियों तक पहुंचने में पुलिस को काफी मदद मिली थी। वही पुलिस द्वारा थाने में बैठकर ही नगर के चारो ओर निगरानी करने में सफल होते हुये देखी जा रही थी। क्योंकि केमरों के साथ लगाये गये गुणवत्ता पूर्ण स्पीकरों के माध्यम से मनमानी करने वालों को थाने से ही निर्देशित करते हुये देखी जाने लगी थी। इस तरह केमरों से सुसज्जित हुये शहर में अपराधिक गतिविधियों पर काफी हद तक पुलिस अंकश लगाने में सफल हो चुकी थी। मगर इलेक्ट्रिक सामग्री का समय समय पर सुधार नही होता है तो वह खराब होने लगती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इन केमरों की देखने मिल रही है। इनके सुधार कार्य तथा केमरे लगाने वाली कंपनी की शेष राशि का भुगतान करने एक बैठक का आयोजन किया गया। क्योंकि इन केमरों का लगातार समय समय पर सुधार कार्य होते रहना है, इसके लिये राशि की जरूरत होगी। इसी के चलते जन सहयोग प्राप्त करने के लिये एक समिति का गठन किया गया। वही दूसरी ओर बैठक के दौराना जहां नगर के समाज सेवी रवि शेखर जायसवाल द्वारा मोटर साईकिल विक्रेता संग की ओर से 25 हजार का सहयोग देने की घोषणा की गई। इस दौरान अन्य लोगों द्वारा भी जन सहयोग प्रदान करने के लिये घोषणा की गई है। इस तरह से अब पुलिस अधिकारियों का प्रयास है कि नवरात्र का पर्व शुरू होने के पहले जहां बंद पड़े हुये केमरों को पुनः चालू किया जावे और जरूरत के हिसाब से अन्य जगहों पर और केमरे लगाये जावेगे।

शिक्षा विभाग के अधिकारी लगा रहे शिक्षा मंत्री के प्रयासों को पलीता, बाहर से आये हुये छात्र छात्राये जब धूप के बीच बेहाल होते हुये आये नजर

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस तरह क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री द्वारा किये जा रहे प्रयासों के चलते गाडरवारा का नाम प्रदेश में ही नही बल्कि देश के कौने कौने तक पहुंचने से नही चूक रहा है। इस बात की सच्चाई बीते हुये वर्ष आयोजित हुई शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी प्रतियोगिता के चलते देश के कौने कौने से आये हुये बच्चों ने हमारे नगर की व्यवस्थाओं को सराहने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इसी प्रकार से प्रदेश के शिक्षा मंत्री व क्षेत्र के विधायक राव उदय प्रताप द्वारा नगर का गौरव बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हुये राष्ट्रीय की व्हालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन होने की तैयारी की जा रही है। क्योंकि जब वाहन के छात्र छात्राये हमारे नगर में आने के बाद वह यहां की व्यवस्थाये देखते है तो निश्चित तौर से इन नगर की चर्चाये दूसरे शहरों में होने से नही चूकती है। मगर नगर में बाहर से आने वाले छात्र छात्राओं की व्यवस्थाओं से लेकर आयोजन स्थलों के चयन में जिस तरह से शिक्षा विभाग के अधिकारियों में कोताही बरती जा रही है उसके चलते जहां छात्र छात्राओं को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है तो दूसरी ओर प्रदेश के शिक्षा मंत्री के प्रयासों को भी यह अधिकारी पलीता लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? इस बात की सच्चाई बीते हुये दिवस संभागीय स्तर पर आयोजित हुई शालेय व्हालीबाल प्रतियोगिता में देखने मिली है..? क्योंकि नगर में अनेक शासकीय शिक्षण संस्थाये इस तरह की है जिनके प्रागंण में खेल आयोजित करने की संपूर्ण सुविधाये मौजूद होने के चलते पूर्व में अनेक बडी प्रतियोगिताये आयोजित हो चुकी है। मगर इसके बाद भी शिक्षा तथा खेल विभाग से जुडे अधिकारियों द्वारा शहर से लगभग तीन चार किलो मीटर दूर स्थित एक निजी स्कूल का चयन करना सबालों को जन्म देने से नही चूक रहा है..? बताया जाता है कि संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार संभाग स्तरीय शालेय व्हालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन गाडरवारा में कराया गया। इस आयोजन में संभाग के अनेक जिलों की टीमों ने भाग लिया गया था। वही आयोजन के समापन अवसर पर जहां मौजूद अतिथि लगे हुये टेन्ट के छाव में बैठकर अपने भाषण देने में मग्न नजर आ रहे थें तो दूसरी ओर बाहर से आये हुये छात्र छात्राये चिलचिलाती धूप में बेहाल होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे थें..? इस सच्चाई को देखते हुये लोग यह करने से नही चूक पा रहे थें कि आज जो अतिथि अपना पाषण सुना रहे है। वह इन्ही बच्चों की मौजूदगी का परिणाम है यदि यह बच्चे नही होते तो उन्हे यह अवसर प्राप्त ही नही होता..? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार अधिकारियों द्वारा इस तरह शासकीय शिक्षण संस्थाओं के खेल परिसर की जगह एक चर्चित निजी शिक्षण संस्थान का परिसर ही क्यों चुना..? जबकि गौर किया जावे तो संभागीय स्तर के लिये चुनी गई यह निजी शिक्षण संस्था पहले ही अपनी संस्था के एक छात्र की मौत को लेकर जांच के दायरे में आ चुकी है जिसकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है..? इसके बाद भी इस संस्था का अधिकारियों द्वारा चयन किया जाना जांच प्रक्रिया पर भी प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रही है..? जबकि इस आयोजन में सिर्फ शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को शामिल किया गया है। इसके बाद भी आयोजन के लिये एक निजी स्कूल का परिसर चयन करना अधिकारियों की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है..?

धार्मिक धरोहर पंचपिंड स्थल के संरक्षण हेतु परशुराम सेना ने मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष पं मुकेश बसेड़िया द्वारा नगर के वरिष्ठ जनो व ख्यातिलब्ध विद्वानों के साथ ऐतिहासिक व धार्मिक धरोहर पंचपिण्ड स्थल को डूब क्षेत्र से बचाने व संरक्षण हेतु अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति कलावती ब्यारे को प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया। इस संबंध में बसेड़िया द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि तहसील खातेगांव जिला देवास के ग्राम तुरनाल में माँ रेवा के तट पर भगवान श्री परशुराम जी ने अपने माता पिता का पिंडदान किया था। उक्त स्थल प्राचीन काल से सनातन धर्मालंबियों की आस्था व पूजन का प्रमुख केंद्र रहा है। मगर वर्तमान में एक बांध निर्माण के कारण डूब क्षेत्र में आ रहा है। मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलो में परशुराम सेना मप्र ने एक दिन एक साथ ज्ञापन सौंपकर। इस धार्मिक स्थल को डूब क्षेत्र से बचाने एवं पंचपिण्ड स्थल को धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित कर पर्यटक स्थल बनाने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान ब्राहाण समाज के पं भवानी प्रसाद शास्त्री, पं ओमप्रकाश दुबे, पं अरुण तिवारी, पं गिरीश स्वामी,पं दीपक दीक्षित, पं अवधेश पाठक, पं मनोज शास्त्री,पं अनुज शर्मा, पं मनोज शर्मा, पं शरद खेमरिया, पं संतोष शुक्ला, पं संजू ढिमोले ,पं यगदत्त पचोरी,पं शरद खेमरिया, पं दीपक पांडे, पं सुदेश कटारे तथा परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष पं मुकेश बसेडिया के साथ प्रभात चौकसे सहित अन्य अन्य लोग मौजूद थें।

बिना नम्बर के चल रहे सैकेडों टैक्ट्रर से दुर्घटना की बनी आशंका

नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है, इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्रों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है।

विभागों में कर्मचारियों की कमी के चलते अनेक योजनाओं पर समय से नहीं हो पा रहा अमल, औपचारिकाता पूर्ण बनी शासन की अनेक योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रो के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं के जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागो में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्वेश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन करते हुये शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है, निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्वी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभागो में कार्यरत कर्मचारियो के सेवानिवृत्त होने का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था, मगर जब उन पदों पर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ही नही होगे तो फिर शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल पाना मात्र एक कल्पना के आलवा और कुछ साबित होने वाला नही है?

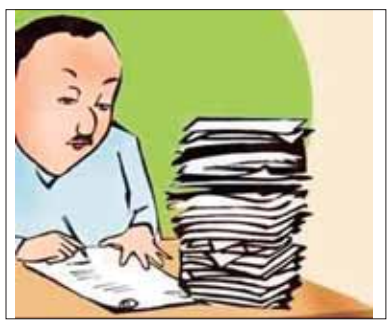

वर्षो पुरानी बिजली लाईनों के भरोसे चल रही अटल ज्योति योजना से परेशान हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/ पलोहा बड़ा। जिस प्रकार से शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली देने की बात कहते हुए अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था जिसके चलते जहां लोगों में खुशी देखने मिल रही थी, मगर यह योजना इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जिस प्रकार से वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में चलते हुए देखी जा रही है उसके चलते ग्रामवासियों को सिर्फ परेशानी ही नही बल्कि इस योजना के तहत 24 घंटे बिजली मिल पाना मुश्किल हो रहा है..? बताया जाता है कि इस योजना के तहत जिस प्रकार से सिंचाई हेतु अलग वह घरेलू उपयोग हेतु अलग अलग बिजली लाईनों का विस्तार करने के लिए निजी कंपनियों को ठेका देते हुए कार्य कराया गया था। मगर बिजली लाईनों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों द्वारा पुराने ही बिजली तारों के माध्यम ही इस योजना को स्वरूप बदते हुए कम बोल्टेज वाले तारों पर हाई बोल्टेज की सप्लाई कर दी गई है जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से निर्मित होते हुए देखी जा रही है कि वर्षो पुराने यह तार जहां हाई बोल्टेज को सहन नही कर पा रहा है, क्योंकि पहले ही लो वोल्टेज में आये दिन टूटते हुए देखे जाते थे और अब हाई वोल्टेज के चलते यह आये दिन टूटने के कारण जहां ग्रामीणों को बिजली उपलब्ध कराने की बात तो दूर खतरा साबित होते हुए दिखाई दे रहे है? इतना ही नही आये दिन तारों के टूटने के कारण जहां किसानों के खेतों में आगजनी की घटनाएं घटित होने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर प्रदेश सरकार की अटल ज्योति योजना पर भी प्रश्न चिन्ह लगाते हुए देखे जा रहे है।

ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित समय पर खोली जाए उचित मूल्य की दुकानें

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें सस्ता राशन उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे सार्वजानिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित सस्ते राशन की दुकानों से हालॉकि सरकार की मंशानुरूप गेहू, कैरोसिन, चॉवल और शक्कर का वितरण किया जा रहा है। वही सरकार के आदेश अनुसार कुछ महिनों तक पर्ची धारकों के लिये निःशुल्क राशन भी वितरण किया जा रहा है। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में नीले, पीले कार्डधारियों की शिकायत है कि उचित मूल्य की कई दुकानें ऐसी है जो समय के साथ निश्चत तिथि पर नही खुलने के कारण लोगो का समय व्यर्थ बर्बाद हो रहा है। इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है, जहां पर विगत लम्बे समय से लोगों को अनाज नही मिल पाया है? बताया जाता है जिस सहकारी दुकान से चार पांच गांव जुड़े है और विलम्ब से उसके खुलने की स्थिति मे वहॉ उपभोक्ताओं की भीड़ जुट जाती है और महिलाओं को खासकर इन दुकानो से सामान लेने मे परेशान होना पड़ता है? ज्ञातव्य है कि आने वाले और तेज ठंड के मौसम का ध्यान रखते हुए सहकारी दुकानों से गरीबों, अतिगरीबो राशन कार्ड धारियों को खाद्यान्न का वितरण किया जाएगा, लिहाजा जरूरी है कि ग्रामीण क्षेत्रों की सहकारी दुकाने निर्धारित समय पर खुलें ताकि नागरिको को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गाडरवारा जिला-नरसिंहपुर (म. प्र.)
इश्तहार सूचना
क्र.1382/राजस्व शाखा/न.पा.प./2025 गाडरवारा, दिनांक 29.08.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निम्नांकित आवेदनों पर नामातंरण कार्यवाही की जाना है। इस हेतु आज दिनांक 29/08/2025 से 30 दिवस के अंदर आपत्तियों का आव्हान किया जाता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों एवं प्रमाण रहित अपत्तियाँ मान्य नही की जावेगी ।
प्र.क्र.- 98/25/26
वार्ड का नाम-भामा वार्ड
मकान/प्लाट - मकान
सम्पति हस्ता. का माध्यम- इकरारनामा हस्तांतरण का नाम- राजा शंकर प्रताप सिह जूदेव
हस्तांतरण कर्ता का नाम- राजा राजेन्द्र सिह जूदेव
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गाडरवारा

खबर संक्षेप

सरकारी नाडेप टांका पर किया अवैध शौचालय निर्माण

डिंडोरी। मेंहदवानी जनपद क्षेत्र ग्राम पंचायत पायली में एक बेहद निंदनीय और गंभीर मामला सामने आया है। जहां शिक्षा विभाग की एक शिक्षिका, जो प्राथमिक शाला पायली में पदस्थ हैं, उन्होंने सरकारी रूप से बनाए जा रहे नाडेप टांका के ऊपर सौचालय का टांका बना डाला। यह कार्य योजना के उद्देश्य के बिल्कुल खिलाफ है। सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में गीला व सूखा कचरा प्रबंधन हेतु 28 से 30 हजार रुपए की लागत से नाडेप टांका बनवाए जा रहे हैं, ताकि स्वच्छता सुनिश्चित हो और बीमारी फैलने से रोका जा सके।लेकिन पायली में यह व्यवस्था उलझ गई। ग्राम पंचायत के सचिव और मेंबर का कहना है कि उन्हें शिक्षिका द्वारा न तो लिखित सूचना दी गई और न ही कोई जानकारी ग्राम पंचायत में प्रस्तुत की गई।ग्राम पंचायत पायली के सरपंच सालिक राम ने बताया कि मामले की जानकारी लगते ही शिक्षिका से बात कर रोका गया, साथ ही नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन नोटिस लेने से उन्होंने मना कर दिया। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या जनपद CEO इस पर संज्ञान लेंगे और शिक्षिका के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी या मामला प्रशासनिक आंख-मिचौली में ही धँस जाएगा।

वन विभाग ने रोपे बांस, ग्रामीण ने काट कर बेचें वन विभाग अनजान

अमरपुर। शासन द्वारा पर्यावरण की रक्षा के लिए पौध रोपण कराएं जा रहे हैं। इसी तारतम्य में वन विभाग भी उनके खाली जंगल में वृक्षारोपण किया जाता हैं। वन परिक्षेत्र अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम सारंगढ़ के जंगल में बांसों का रोपण वर्ष 2009-10 में कराया गया था। जोकि 15 वर्षों में परिपक्व हो गए। वन विभाग शायद पौधे रोपण कर भूल गया। जिसमें एक सातिर ग्रामीण की नजर पड़ी और वह लगे बांसों को कटवाया और ट्रैक्टर में ले जाकर बेंच दिया। यह कटाई ग्रामीणों के अनुसार मार्च 2025 में काटा गया हैं। परंतु विभाग की ओर से कार्यवाही न होने पर ग्रामीणों द्वारा परिक्षेत्र अधिकारी अमरपुर को 2 सितंबर 2025 को अवैध कटाई पर कार्यवाही करने आवेदन भी दिया गया हैं। जिस आवेदन में काटने वाले का नाम पूरन सिंह मसराम लेख किया गया हैं। जोकि जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत का बर्खास्त सचिव हैं। रोपड़ी स्थल पर किसी प्रकार का बोर्ड भी नहीं लगा हैं। जिससे कक्ष क्रमांक, लागत एवं अन्य जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इस प्रकार जंगलों में अवैध कटाई जारी हैं। जबकि वनों की सुरक्षा में लगे वन विभाग का अमला घर बैठकर ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री की जा रही हैं। जब विभाग खुद के रोपे हुए जंगल की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं, तो फिर प्राकृतिक जंगल कैसे बचाया जा सकता हैं।

ग्राम सभा का गठन, जनजाति समाज को मिलेगा जल, जंगल, जमीन पर अधिकार

शहपुरा। डिंडोरी जिले के जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बढ़ईगढ़ के पोषक ग्राम दोनाखेड़ा में ऐतिहासिक पेसा ग्राम सभा का आयोजन किया गया। पेसा अधिनियम 1996 एवं मध्य प्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम 2022 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनजाति समाज को उनके पारंपरिक अधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया को मजबूती देने हेतु यह ग्राम सभा आयोजित की गई। इस आयोजन का सफल संचालन पेसा जिला समन्वयक मिथलेश कुलेश के मार्गदर्शन एवं पेसा ब्लॉक समन्वयक चोखेलाल धुर्वे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से मोहन सिंह परस्ते को 1 वर्ष के लिए ग्राम सभा अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय जनपद सदस्य सुरेंद्र सिंह मार्को द्वारा पेसा की प्रस्तावना से हुई। साथ ही पेसा मोबिलाइजर एवं समन्वयकों द्वारा नजरी नक्शा व चतुर्थ सीमा बनाकर जल, जंगल, जमीन के संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकारों की विस्तारपूर्वक जानकारी ग्रामवासियों को दी गई। पेसा कानून के तहत जनजाति समाज को छोटे-मोटे वाद-विवाद का समाधान ग्राम की परंपरा अनुसार विवाद निवारण समिति के माध्यम से करने का अधिकार प्राप्त है। इसके अलावा भूमि प्रबंधन, जल संवर्धन, लघु जल सांभर योजना, खान-खनिज पदार्थों पर नियंत्रण, गौण वनोपज का प्रबंधन और सामाजिक संस्थाओं पर नियंत्रण के विषय में भी विस्तार से चर्चा हुई।

विशेष यातायात जागरूकता अभियान के तहत ग्राम पंचायत भानपुर एवं पीएम श्री स्कूल भानपुर में कार्यक्रम आयोजित

पुलिस अधीक्षक डिंडौरी श्रीमती वाहनी सिंह के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और मृत्युदर घटाने के उद्देश्य से 8 से 22 सितंबर 2025 तक विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

डिंडौरी ।

इसी के तहत 11 सितंबर 2025 को ग्राम पंचायत भानपुर एवं पीएम श्री स्कूल भानपुर में यातायात टीम टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई।

थाना प्रभारी यातायात श्री सुभाष उईके ने बताया कि जिले में अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं तेज रफ्तार और नशे की हालत में वाहन चलाने के कारण होती हैं। उन्होंने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 1.5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाता है।

साथ ही उन्होंने राहगीर (राहवीर) योजना के अंतर्गत बताया कि यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाता है, तो उसे 25,000 और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाता है। हिट एंड रन योजना के बारे में बताते हुए यातायात प्रभारी श्री उइके ने कहा कि यदि किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारने के बाद भाग जाने की स्थिति में पीड़ति की मृत्यु हो जाती है और 30 दिनों तक वाहन का पता नहीं चलता है, तो मृतक के परिजनों को 2,00,000 तथा गंभीर चोट की स्थिति में 50,000 की सहायता राशि दी जाती है। कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद करने की अपील की है।

इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र से थाना प्रभारी यातायात श्री सुभाष उईके, नेहरु युवा केंद्र से आर.पी. कुशवाह, सरपंच निघौरी शोभाराम धुर्वे, उपसरपंच भानपुर मक्कु खान, रोहित साहु , रायसिह मरकाम , सुशील कुमार धुर्वे, साबीर खान, पीएम स्कूल भानपुर के स्टाप सहित लगभग 150-200 की संख्या छात्र-छात्राओं, एवं ग्रामीणजन सहित यातायात स्टाफ उपस्थित रहे ।

सेवा पखवाड़ा का आयोजन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के मार्गदर्शन में जिले में सेवा पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 17 सितम्बर 2025 से 02 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। इस अवधि में विभिन्न विभागों के सहयोग से जनहित से जुड़े कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने स्वच्छता पखवाडा अभियान की विभागीय कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि आप लोग अपने-अपने विभाग के द्वारा किस दिनांक, स्थान पर शिविर और किस योजना के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा कि कार्ययोजना बनाकर कार्यालय में प्रस्तुत की जाए ताकि समस्त शिविर आयोजित स्थानों पर अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित हो सकें। साथ ही साथ यह निर्देश दिए कि सभी आयोजित कार्यक्रम स्थल पर सभी अधिकारी, जनप्रतिनिधियों को जरूर आमंत्रित करें।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

इस दौरान स्वच्छता अभियान, पोषण जागरूकता गतिविधियां, शुद्ध पेयजल उपलब्धता, शिक्षा से संबंधित नवाचार, स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण, रक्तदान, पोषण आहार वितरण, बालिकाओं एवं महिलाओं के सशक्तिकरण संबंधी कार्यक्रम, आदिवासी विकास योजनाओं का प्रचार-प्रसार तथा ग्राम पंचायत एवं शहरी निकायों में विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं समुदाय के सर्वांगीण स्वास्थ्य संरक्षण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विभाग की प्राथमिकता है कि महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई जांएगी। इस दिशा में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही किशोरियों में पोषण स्तर सुधारने और एनीमिया की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। विभाग द्वारा गैर-संचारी रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, एनीमिया और सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग की जाएंगी। इसके साथ ही संचारी रोगों में क्षय रोग और कुष्ठ रोग की जांच एवं उपचार सेवाएँ भी सुनिश्चित की जाएंगी।

स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य केवल स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना ही नहीं है, बल्कि समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। इसी के तहत स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आयोजित किया जा रहा है, ताकि हर व्यक्ति तक समय पर चिकित्सा और परामर्श पहुँच सके। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।सेवा पखवाड़ा का समापन 02 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान एवं विशेष कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा।

योग प्रशिक्षण से मिला स्वास्थ्य और आत्मविश्वास का संदेश

डिंडौरी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय चंद्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिंडौरी में छात्रों एवं छात्राओं को योग का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) के तहत आयोजित किया गया, जो प्रतिदिन प्रातः 8:30 से 10:30 बजे तक चला। इस प्रशिक्षण के उपरांत 11 सितम्बर 2025 को प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम ही नहीं है, बल्कि यह मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि बीज मंत्रों के उच्चारण से शरीर और मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से नियमित योगाभ्यास करने का आह्वान किया, जिससे वे स्वस्थ, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बन सकें। प्राचार्य ने आगे कहा कि संस्थान में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा योग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे विद्यार्थियों को लाभ प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पीएम ऊषा के नोडल अधिकारी डॉ. अमित बेलिया ने भी उपस्थित रहकर सभी को योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्थान प्रमुख डॉ. सुशील कुमार दुबे, नोडल अधिकारी डॉ. अमित बेलिया तथा जिला उद्यमिता विकास केंद्र के जिला समन्वयक एस.के. शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि योग का संयोजन न केवल विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाएगा, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास भी बढ़ाएगा।

विकट जल संकट से जूझ रहा पोषक ग्राम जिमरा

शहपुरा। शहपुरा जनपद क्षेत्र ग्राम पंचायत संग्रामपुर के पोषक ग्राम जिमरा में पिछले लगभग 10 से 15 दिनों से पानी की गंभीर समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि नल जल योजना के तहत हर घर में पानी पहुंचाने का कार्य पहले नियमित रूप से चलता रहा, लेकिन अचानक से यह व्यवस्था ठप हो गई। सचिव व सरपंच से संपर्क करने के बावजूद भी समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया।ग्रामीणों ने बताया कि लगातार सूखे नल व पानी के लिए हड़बड़ी में पंचायत कार्यालय का दरवाजा खटखटाया गया, लेकिन वहां से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। पानी की इस विकट समस्या के कारण लोगों को दूर-दराज के स्थानों से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनका जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। इस गंभीर समस्या को लेकर जनपद उपाध्यक्ष जितेंद्र चंदेल ने ग्राम जिमरा की स्थिति को जिला प्रशासन के संज्ञान में लाया। उन्होंने बताया कि यह पूरी स्थिति पंचायत प्रशासन की गंभीर लापरवाही को उजागर करती है। उपाध्यक्ष चंदेल तत्काल जनपद पंचायत में जानकारी दी एवं जनपद पंचायत ने ग्राम पंचायत को नोटिस जारी कर तत्काल समाधान के निर्देश दिए हैं।अब सवाल उठता है कि कब तक ग्रामवासियों को इस पानी संकट से राहत मिलेगी। ग्रामीणों की आशंका है कि अगर प्रशासन और पंचायत ने समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

नगर परिषद शहपुरा ने चलाया अभियान, 3 किलो पन्नी जब्त, दुकानदारों से वसूला जुर्माना

शहपुरा

नगर परिषद शहपुरा ने दिनांक 11 सितम्बर 2025 को नगर में 75 माइक्रोन से पतली पन्नी के अवैध उपयोग पर सख्त कार्रवाई करते हुए पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। नगर परिषद टीम ने चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कई दुकानदारों से निरीक्षण कर पाया कि वे नियमों का उल्लंघन करते हुए पतली पन्नी का उपयोग कर रहे थे, जो कि पूरी तरह से प्रतिबंधित है।इस कड़ी कार्रवाई में कुल 3 किलो अवैध पतली पन्नी जप्त की गई, जबकि दुकानदारों से जुर्माना राशि भी वसूल की गई। अभियान के दौरान नगर परिषद के अधिकारीयों ने दुकानदारों को जागरूक करते हुए बताया कि 75 माइक्रोन से पतली पन्नी का उपयोग पर्यावरण व स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है और भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर सख्त रोक रहेगी। नगर परिषद शहपुरा के कर्मचारी ने बताया कि यह अभियान नगरवासियों को साफ-सुथरे, स्वस्थ और प्लास्टिक-मुक्त पर्यावरण की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से चलाया गया है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य साफ-सफाई के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सुनिश्चित करना है। अवैध प्लास्टिक उपयोग पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।" नगर परिषद की यह पहल नगरवासियों के लिए एक जागरूक संदेश है कि नियमों का पालन करना सभी का कर्तव्य है। ऐसे अभियान से न केवल दुकानदार बल्कि आम जनता भी भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग और जिम्मेदार बनेगी।

सक्षम कार्यक्रम की गुणवत्ता हेतु जनशिक्षक संभालेंगे मॉनिटरिंग की कमान

डिंडोरी।

ब्लॉक में सक्षम कार्यक्रम की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जनशिक्षकों को मॉनिटरिंग की कमान सौंप दी गई है। जिला कार्यक्रम समन्वयक महारन प्रताप सिंह परमार के निर्देशन में आयोजित परिचालन बैठक में ब्लॉक प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय* और *नीरज तिवारी द्वारा जनशिक्षकों को मॉनिटरिंग टूल्स, मूल्यांकन मानदंड एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अब प्रत्येक जनशिक्षक अपने-अपने शिक्षण केंद्रों का साप्ताहिक स्थलीय निरीक्षण करेंगे, गतिविधियों के रिकॉर्ड का मूल्यांकन करेंगे तथा वास्तविक समय में फीडबैक देंगे, जिससे कार्यक्रम के निष्पादन में पारदर्शिता बढ़ेगी और समय पर सुधारात्मक कदम उठाए जा सकेंगे।

संकुल स्तर पर SQMF (स्कूल क्वालिटी मॉनीटरिंग फ्रेमवर्क)* के अंतर्गत जनशिक्षक जॉइंट विजिट कर मॉडल सक्षम विद्यालयों का चयन करेंगे और संकुलवार बैठकों में कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा करेंगे। इस पहल से प्रत्येक संकुल के विद्यालयों को जनशिक्षकों के मार्गदर्शन में सक्षम मॉडल विद्यालयों के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और श्रेष्ठता सुनिश्चित होगी। साथ ही, 21वीं सदी के जीवन कौशलों से जनजातीय छात्र-छात्राओं को सशक्त बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा, जिससे जनजातीय कार्य विभाग और मैजिक बस इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में संचालित सक्षम कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य की पूर्ति होगी।

पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत पौधे रोपे गए

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी

राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय मेंहदवानी में प्राचार्य डॉक्टर लेखराम कुर्मी के निर्देशन में इको क्लब के प्रभारी श्रीमती पिंकी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इको क्लब के तहत पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान में महाविद्यालय में पौधे रोपे गए एवं पर्यावरण जागरूकता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर पी एल अंबुलकर एवं डॉ अवधेश कुमार पटेल वरिष्ठ तकनीकी सहायक कृषि विज्ञान केंद्र डिंडोरी ने पर्यावरण पौधों का महत्व एवं संरक्षण के बारे में मिश्रित जानकारी दी एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण के महत्व में प्रकाश डाला और बताया कि अपनी ज्ञान परंपरा को अपनाकर हम पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुरेश प्रसाद

DEMAND LEGAL NOTICE 138 OF THE NEGOTIABLE INSTRUMENTS ACT, 1881,

Date 11.09.2025

To,
Shri Vidya Bhaskar Yadav S/o Harihar Yadav R/o Imli Kuti Ward One Dindori, Dindori Madhya Pradesh - 481880, Mob-9713707875

Under instructions from and on behalf of our client, **Commercial Automobiles Pvt. Ltd.,** having its Head Office at 124, Napier Town, Jabalpur, and Sales Office at 497, Karmeta, Opp. to Shriram Engineering College, Jabalpur, we hereby serve upon you the following legal notice:

1. That my client is an authorized dealer of Tata Motors and is engaged in the business of selling commercial vehicles, and you were previously acquainted with them and shared an amicable relationship and thus you had purchased a vehicle (Product Code: 55495226AJVR HSN: 8704.21.00 STONEHENGE-INTRA V50 GOLD LX CLBW/ODEF) from our client, as per Tax Invoice No. ICOMAF2425000010 dated January 24, 2025, for a total amount of Rs. 916,886/- and to discharge of your legal liability, you issued a cheque bearing Cheque No. 010261 dated April 30, 2025, for a sum of Rs. 145,000/- (Rupees One Lakh Forty-Five Thousand Only), drawn on Bank of Maharashtra, Dindori, Madhya Pradesh (IFS Code: MAHB0002315), in favour of "Commercial Automobiles CV Pvt. Ltd" and said cheque was presented for encashment through, State Bank of India and the said cheque was returned unpaid with the remark "Funds insufficient" vide Cheque Return Memo Report dated July 02, 2025, which clearly indicates your intention to defraud our client and constitutes an offence punishable under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881, and same was informed to you Noticee by way of Legal Notice dated 26.07.2025 and 31.07.2025 and you have been called upon to pay Rs. 145,000/- (Rupees One Lakh Forty-Five Thousand Only) within 15 (fifteen) days from the date of receipt of this notice.

2. That the dishonour of cheque was informed to you Noticee, telephonically as well as by way of Legal Notice No- PSMP/2025/01/07 dated 26.07.2025 and 31.07.2025, which was returned unserved with Remark of "Door Lock- प्राप्तकर्ता इस पते पर नहीं मिले.

3. Under these circumstances, you are hereby finally called upon to pay Rs. 145,000/- (Rupees One Lakh Forty-Five Thousand Only) within 15 days to my client.

Yours faithfully,
(Pushpendra Singh)
Advocate
Office: 2/11-F Nikita Complex, Nagrath Chowk
Napier town Jabalpur (M.P)
Email: - clsjabalpur@gmail.com, advpushpendra@gmail.com,
cell: - 09425158240

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित हुआ लाइव प्रसारण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज, नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कलेक्टर ने स्कूटी प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदाय करते हुए शुभकामनाएं दी। कलेक्टर श्रीमती पटले ने विद्यार्थियों को अध्ययन की महत्वता एवं समय प्रबंधन, कठोर परिश्रम, अध्ययन में ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट के स्कूटी न चलाएं और स्कूटी चलाते समय हेलमेट जरूर पहनने की समझाइश दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी वितरण और 20 लाख से अधिक बालिकाओं को सैनिटेशन एवं हाइजीन के लिए 61 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशन गंज थाना क्षेत्र के घाट पिंडरई के रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात व्यक्ति किसी अज्ञात ट्रेन से गिरकर मृत हो गया है जिसके पेंट की जेब से रेलवे स्टेशन पंडित दीनदयाल से पुणे जंक्शन तक की टिकट मिली है जीआरपी गाडरवारा द्वारा मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव को सुरक्षित शासकीय जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिसका शव शव गृह में रखवाया गया है। शव की शिनाख्त होने पर शव का पोस्टमार्टम किया जायेगा।

धर्म और समाज हित में करें कार्यः कथा व्यास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। हम सबको सदमार्ग पर चलकर धर्म और समाज के हित के कार्यों में सहयोग करना चाहिए। इससे समाज और आपके परिवार का भी भला होता है भगवान की दया दृष्टि हमेशा आप पर बनी रहती है। उक्त आशीष वचन स्व. ठा. हनुमत सिंह की स्मृति में कपूरी रोड पर स्थित महर्षि आश्रम परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा व्यास पं. अंकित महाराज ने कहे। पंडित अंकित महाराज ने कहा कि प्रभु की भक्ति से बड़ा कोई आनंद नहीं और हम सबको अपने-अपने स्तर पर हमेशा दान पुण्य करते रहना चाहिए।

नहीं रहे मुन्ना राय

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित राधेश्याम राय मुन्ना का लंबी बीमारी के चलते गत दिवस दुखद निधन हो गया। जिन्हें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। मुन्ना राय विक्की गप्पू राहुल राय के पूज्य पिता थे।

जंगल की रक्षा करते हैं चौकीदार

मार्च माह के वेतन को तरस रहे चौकीदार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे प्रशासन की कार्यप्रणाली के कारनामे आये दिन सामने आते रहते है। प्रशासन के जिम्मेदार कर्मचारी शासन के नियामों को धता दिखाने कार्य करते रहते है। जबकि सरकार चाहती है कि नियमों का कड़ाई से पालन हो तथा सभी को योजनाओं का लाभ मिल सके वही प्रशासन के कुछ अधिकारी सरकार के मंसूबो पर पानी फेरने का कार्य करने पर तुले रहते है। ऐसा ही कारनामा वन विभाग के वन परिक्षेत्र नरसिंहपुर अंतर्गत सहायक वन परिक्षेत्र गोरखपुर की वीटों से सामने आया जहां पर कुछ चैंकीदारों को वेतन नही मिला। वन परिक्षेत्र नरसिंहपुर के सहायक वन परिक्षेत्र गोरखपुर में जंगलों की रखवाली करने वाले चौकीदारों को मार्च के माह का वेतन नही दिया गया। वही कुछ वीटों ऐसे चौकीदार भी मिले जो जंगल ही नही जाते और उनके नाम से चौकीदारों का भुगतान हो रहा है। वही जो चौकीदार जंगल मे भ्रमण कर जंगल को कटने से बचाने तथा वन रक्षक की मदद मे लगे हुए है उन्हें भुगतान नहीं किया गया। क्षेत्र की अलग - अलग वीटों मे नाकेदारों द्वारा अलग - अलग कारनामे किए गए है। प्रशासन को चाहिए की जांच कर ठोस कार्रवाई करें जिससे शासन की राशि का दुरुपयोग ना हो और चौकीदारों को नियमानुसार वेतन मिल सके।

कागजों में बने चौकीदार

वेतन के संबंध मे गोरखपुर में पदस्थ रहे चौकीदार कोदू लाल द्वारा बताया गया कि उसके मार्च के माह की वेतन नही मिला है। क्षेत्र के अन्य चौकीदार भी है उन्हें वेतन नही मिला है लेकिन कुछ ऐसे चौकीदार साथी भी है जिन्हे 2500 रूपए मार्च के वेतन के नाकेदार द्वारा नकद दिए गए। ऐसा ही कारनाम उसरी वीट मे पदस्थ नाकेदार द्वारा किया गया है। वही कुछ ऐसे भी चौकीदार मिले जो केवल कागजों मे चौकीदार है और भुगतान मिलने पर नाकेदार को देते है। जबकि शासन का लक्ष्य है कि वनों की रक्षा उचित ढंग से हो जिसके लिए चौकीदार नियुक्त किए जाते है।

भुगतान नियम समझ से परे

मिली जानकारी के अनुसार कुछ चौकीदारों को नाकेदार द्वारा मार्च माह के वेतन भुगतान पर 2500 रूपए दिए गए जो नियम के परे समझ आ रहा है। वही कुछ चौकीदारों द्वारा बताया गया कि वह केवल नाम के चौकीदार है कागजो मे नाम चलाया जा रहा है। वेतन मिलने पर नाकेदार को वापस करना होता है। जो शासन की राशि का दुरुपयोग प्रतीत हो रहा है। अब प्रश्न यह कि यदि 2500 रूपए चौकीदारों को नाकेदार द्वारा किस हिसाब से दिए गए चैंकीदार का मानदेय शासन के अनुसार 5109 रूपए है ऐसे में नाकेदार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उत्पन्न हो रहे है। क्षेत्र मे ऐसे कई चैंकीदार मिले जो वेतन की इस समस्या से पीड़ति है।

इनका कहना है

चौकीदार वेतन भुगतान की संबंध मे कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है आपके द्वारा यह जानकारी दी गई। लेकिन वजट के आभाव मे कुछ भुगतान नही हुए है में इसकी जांच करा लेता हूं।

पी के प्यासी रेंजर नरसिंहपुर

उक्त संबंध मे आपके द्वारा जानकारी दी गई। में नाकेदारों से इस संबंध में चर्चा करने के बाद ही कुछ बता पाउंगा। चैंकीदारों वेतन के संबंध मे कोई शिकायत प्राप्त नही हुई है।

महेश पटेल, डिप्टी रेंजर गोरखपुर

एड्स जागरूकता सभा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संकुल केंद्र बरहटा में प्राचार्य शैलेन्द्र बक्शी के मार्गदर्शन में एड्स जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। शिक्षक राजेश सिंगोतीया में बताया कि भारत एचआईवी एड्स उन्मूलन की दिशा में लगातार कठिन प्रयास कर रहा है। एड्स नामक इस भयानक बीमारी ने देश की एक बड़ी आबादी को अपने प्रभाव में जकड़ रखा है। एचआईवी से संबंधित मामलों को पूर्ण रूप से खत्म किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं एवं पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस प्रयास में अंशतः सफलता भी पाई है। भारत को "पूर्णतः एड्स मुक्त होने में अभी काफी समय लगेगा क्योंकि अभी भी देश में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच के लगभग 25 लाख लोग एड्स से प्रभावित हैं। यह आँकड़ा विश्व में एड्स प्रभावित लोगों की सूची में तीसरे स्थान पर आता है। इसके बाद शिक्षक तरुवर पटेल ने एड्स के कारण, लक्षण, बचाव और रोकधाम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने बताया कि एड्स से हर साल देश में लगभग पचास हजार लोग जान गंवाते है। अंत में शिक्षिका सरिता कोरी ने सभी का इस सभा को सफल बनाने के लिए आभार किया।सभा में शिक्षक गनी मोहम्मद, भागचंद झरिया,शायना उस्मानी, सरिता कोरी, शरद गुप्ता, प्रशांत नामदेव एवं सभी संकुल विद्यालयों के प्रधान पाठक व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बुन्देली लोक कलाकार सुमित दुबे हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस बुन्देली बौछार द्वारा भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बुन्देली समागम में जिले के ख्याति प्राप्त बुन्देली लोककलाकार संस्कृति-रंगकर्मी सुमित दुबे को बुन्देली लोक संस्कृति और परंपराओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य व सक्रिय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, कैबिनेट मंत्री द्वय प्रहलाद सिंह पटैल, गोविंद सिंह राजपूत राज्य मंत्री द्वय लखन पटैल, धर्मेन्द्र लोधी व बुंदेली बौछार के प्रधान संपादक सचिन चैधरी द्वारा प्रदान किया गया। अंतरराष्ट्रीय बुन्देली समागम में सुमित दुबे बुन्देली आइडल 2.0 के तीन सदस्यीय निर्णायक दल में मुख्य निर्णायक की भूमिका में भी रहे। बुन्देली समागम के मंच पर सुमित दुबे ने अपने सुमधुर बुन्देली लोकगीतों की प्रस्तुति से उपस्थित कल प्रेमियों को थिरकने और नाचने झूमने पर मजबूर कर माहौल प्रफुल्लित बना दिया। प्रदेश व देश के विभिन्न मंचो पर अपने बुन्देली गीतों की प्रस्तुति देने वाले अनेक महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त लोककलाकार पं. सुमित दुबे की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए इष्ट मित्रो व शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

वेतन काटे जाने को लेकर अतिथि शिक्षकों ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले सभी अतिथि शिक्षकों ने जिलाअध्यक्ष एस के सोनी एवं महामंत्री जीवेश चौरसिया के नेतृत्व में रैली निकालकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन तहसीलदार तेंदूखेड़ा को सौंपा गया है। जिसमें अतिथी शिक्षकों ने मांग की है कि वर्तमान सत्र मे सभी अतिथि शिक्षकों को ई अटेंडेंस के आधार पर मानदेय भुगतान के आदेश जारी हुए थे। लगभग 80 90 प्रतिशत अतिथि शिक्षक ई अटेंडेंस उपस्थिति भर रहे हैं ।फिर भी तकनीकि विसंगतियों समस्याओं के कारण भौतिक उपस्थित पत्रक के अनुसार मानदेय को काटा जा रहा है।जबकि शिक्षक एप में व्याप्त विसंगतियों व अल्प अटेंडेंस के बावजूद नियमित शिक्षकों को दोनो माहों का वेतन भुगतान किया जा चुका है। माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री ने भी कहा है कि ई अटेंडेंस पोर्टल हमारे शिक्षक ऐप का ट्रायल चल रहा है। किसी का भी वेतन मानदेय नही काटा जायेगा। परंतु अतिथि शिक्षकों के साथ ही भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। इस ट्रायल एप में भी अभी कई तकनीकि समस्यायें है। इस कारण अटेंडेंस नही लग पाती है। इससे कटा हुआ मानदेय जनरेट हो रहा है जबकि भौतिक उपस्थिति व शिक्षण कार्य पूर्ण है। ज्ञापन के माध्यम से अतिथी शिक्षकों ने मांग की है कि नियमित शिक्षकों की भांति माह जुलाई अगस्त की ई अटेंडेंस समस्याओं के निराकरण तक का मानदेय ऑफ लाइन के आधार पर भुगतान करवाया जाये।यदि किन्हीं तकनीकि कारणो से ई अटेंडेंस नही लग पाई है ।तब तक मानदेय नहीं रोका जाए।उच्च शिक्षा विभाग तथा पंचायत विभाग के जैस ईएल सीएल मेडिकल मातृत्व पितृत्व व 15 दिन का विशेष अवकाश प्रदान किया जाये।शिक्षक महापंचायत विगत 2 सितंबर वर्ष 2023 की घोषणा अनुसार व अन्य राज्यों छत्तीसगढ की तर्ज पर 62 वर्ष 12 माह सेवा का अवसर देकर अतिथि शिक्षक का भविष्य सुरक्षित किया जावे ।फालन आउट हो चुके अतिथि शिक्षकों को उच्च शिक्षा विभाग के अतिथि विद्वानों एवं बिहार राज्य की नीति की तरह सेवा में वापस लेने के लिये अवसर प्रदान किए जाएं। इस मौके पर विभा जैन पायल राय रोशनी खरे कीर्ति तिवारी शिवांगी शुक्ला राहुल पाठक नीलेश लखेरा रामशरण तिवारी विपिन अग्रवाल दीपक दुबे रामभजन नर्मदा प्रसाद अमरीश अंकित प्रणव शैलेन्द्र हेमंत सूरज अंकिता प्रज्ञा उत्तम नीलेश लोधी सहित बड़ी संख्या में अतिथी शिक्षक उपस्थित थे।

पत्रकार बीमा योजना निःशुल्क करने सहित अन्य मांगों को लेकर पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। विगत दिवस मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के आवाहन पर नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष बालमुकुंद विनोद कोरी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार रूबी खान को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के साथियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय कि पहचान प्रदेश में मीडिया फ्रेंड के रूप में होने कि बात कही, ज्ञापन के माध्यम से संघ ने अवगत कराते हुए कहा कि हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग ने पत्रकार कल्याण बीमा कराने का विज्ञापन जारी किया है। उसमें इस बार फिर अधिमान्यता और गैर आधिमान्य पत्रकारों के सभी आयु वर्ग के दो लाख और पांच लाख रुपए के बीमा की प्रीमियम राशि काफी बढ़ा दी है। तथा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी भी लगा दिया है। कई हमारे साथी ऐसे हैं उनको उनके संस्थान के प्रबंधकों की ओर से कोई आर्थिक सहयोग नहीं मिलता है। वे प्रीमियम राशि जमा नहीं कर सकते हैं। मध्यप्रदेश सरकार श्रमजीवी पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना बीमा योजना वर्ष 2025-26 के लिए बढ़ाई गई प्रीमियम राशि को और उस पर लगे जीएसटी को सहानुभूतिपूर्वक शून्य करें। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में पांच लाख रुपये तक की पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना निशुल्क लागू किए जाने की घोषणा करें। साथ ही पत्रकार स्वास्थ्य बीमा राशि शून्य करने की मांग का 3 दिवस में निराकरण किया जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ मध्यप्रदेश सरकार की बीमा योजना को अस्वीकार करने के लिए बाध्य होगा। आपसे यह भी निवेदन है कि आवेदन करने की तिथि 22 सितंबर से 30 सितंबर तक बढ़ाने का कष्ट करें। ताकि आपके समूचे निर्णय के बाद संगठन निर्णय ले सके। ज्ञापन के दौरान मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ संभागीय उपाध्यक्ष संजय जैन, जिला अध्यक्ष बालमुकुंद विनोद कोरी, महासचिव मनोज नौरिया, कार्यकारी अध्यक्ष संजय साहू, सतीश विश्वकर्मा, अमर नौरिया, समीर खान, ताराचंद पटेल, पीयूष दीक्षित, अभय तिवारी, संदीप दुबे, नरेंद्र श्रीवास्तव, सुबोध नामदेव, अरुण शर्मा, पंकज साहू, तुलसी नौरिया, अनिल विश्वकर्मा, रोहित सराठे, अंकित विश्वकर्मा, कृष्णा विश्वकर्मा आदि पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

आरजू पटेल को मिली स्कूटी

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस प्रदेश स्तर पर प्रतिभाशाली छात्रों को शासन द्वारा स्कूटी प्रदान की गई जिसमें सांदीपनि कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोभी की आरजू पटेल का भी नाम शामिल रहा। इस मौके पर विद्यालय परिसर डोभी में निः शुल्क स्कूटी वितरण मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। संस्था स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में जनपद सदस्य सूर्यकांत दिवगैंया सरपंच श्रीमती तपस्या जितेन्द्र पटैल जी एवं संस्था प्राचार्य द्वारा प्रतिभा वान छात्रा आरजू पटैल पिता श्री मदन पटैल को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया। जनपद सदस्य श्री दिवगैंया द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया एवं विद्यार्थियों के अनुरोध पर संस्था को वाटर कूलर प्रदान करने का आश्वासन दिया।

ट्रेन से गिरा युवक, शव ऊमर नदी तट पर मिला

तीन दिन बाद नदी से बरामद हुआ शव

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिमरिबडी गांव स्थित ऊमर नदी तट पर बीते दिनों को उस समय सनसनी फैल गई जब ग्रामीणों ने नदी में एक युवक का शव तैरते हुए देखा। पुल के नजदीक शव दिखाई देने की सूचना तत्काल ग्राम कोटवार द्वारा पुलिस थाना ठेमी व थाना गोटेगांव को दी गई ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना बताया गया कि बीते दो–तीन दिनों से ग्रामीण व रेस्क्यू टीम ऊमर नदी किनारे युवक की तलाश कर रहे थे। सूचना पाकर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की।

मृतक की शिनाख्त

मृतक की पहचान अजय ठाकुर (28 वर्ष) पिता रतनलाल कुलस्ते निवासी करकबेल के रूप में हुई। पुलिस व ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव भेजा गया। पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

जबलपुर से लौटते वक्त हादसा

मृतक के परिजनों ने बताया कि अजय ठाकुर दो दिन पहले घरेलू कार्य से जबलपुर गया था। वापसी के दौरान वह मेमो ट्रेन से लौट रहा था, तभी श्रीधाम–गोटेगांव के बीच टिकरी के पास ऊमर नदी पुल से नीचे गिर गया। हादसे के तीन दिन बाद उसका शव नदी में मिला। थाना ठेमी पुलिस ने घटना की जानकारी दर्ज कर ली है। परिजनों व प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार युवक का संतुलन बिगड़ने से वह चलती ट्रेन से गिर गया।

ब्रह्मलीन शंकराचार्य जी की तृतीय समराधना

ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने किया महा रुद्राभिषेक

गोटेगांव। परमहंसी गंगा आश्रम का पावन प्रांगण मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति के सागर में डूब गया। अवसर था परमपूज्य ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज की तृतीय समराधना का।

इस पावन अवसर पर ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अनंत श्री विभूषित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने सर्वप्रथम मां भगवती के दर्शन किए। तत्पश्चात समाधि मंदिर पहुंचकर ब्रह्मलीन गुरुदेव का महा रुद्राभिषेक एवं समराधना पूजन सम्पन्न किया।

संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर आचार्य महामंडलेश्वर रामकृष्णानंद जी महाराज तथा पूज्य शंकराचार्य जी महाराज के निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही पूजन-अर्चन में ब्रह्मचारी सहजानंद जी, अचलानंद जी, ध्यानानंद जी, विमलानंद जी एवं अन्य ब्रह्मचारी गण सम्मिलित हुए।

पूज्य शंकराचार्य जी महाराज का संदेश

समराधना पूजन के उपरांत पूज्य शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा—ग्गुरु केवल व्यक्ति नहीं होते, वे परंपरा और शक्ति का प्रतीक हैं। ब्रह्मलीन गुरुदेव स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज ने जीवन भर धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए कार्य किया। उनके तप और त्याग से ही आज यह परमहंसी गंगा आश्रम संतों और भक्तों की तपस्थली बना हुआ है।ह

उन्होंने आगे कहा कि गुरु की स्मृति मनाना केवल एक धार्मिक कृत्य नहीं है, बल्कि वह प्रेरणा है जो हमें समाज और राष्ट्रहित में निष्काम सेवा के लिए जागृत करती है।

भक्तों की भावनाएँ

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं की आँखें भाव-विभोर हो उठीं। कई भक्तों ने कहा कि ग्गुरुदेव के बिना आश्रम सूना लगता है, लेकिन आज शंकराचार्य जी महाराज के पूजन से ऐसा लगा मानो ब्रह्मलीन गुरुदेव स्वयं यहां विराजमान हों।ह

एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि ग्गुरु-परंपरा की यह ज्योति सदैव हमारे जीवन को आलोकित करती रहेगी।ह

महाभोग एवं महाभंडारापूजन-अर्चन एवं रुद्राभिषेक के उपरांत भक्तों के लिए महाभोग एवं महाभंडारे का आयोजन हुआ। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आत्मिक शांति और आनंद की अनुभूति की।

विशेष

पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि गुरु-परंपरा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रकाशपुंज है।

बगासपुर से लापता वेदांश कटनी में मिला

पुलिस-ग्रामीणों के सहयोग से हुई बरामदगी

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम बगासपुर निवासी वेदांश पटेल पिता शरद पटेल, जो 2 सितंबर की शाम 6 बजे के बाद से लापता था, 9 सितंबर को सकुशल मिल गया। परिजनों व मोहल्लेवासियों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद थाना गोटेगांव में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार उसकी तलाश की जा रही थी। इस बीच 9 सितंबर को ग्राम बगासपुर निवासी अरविंद पटेल, गोलू पटेल और मदन पटेल जगन्नाथ पुरी यात्रा पर जा रहे थे। उनकी ट्रेन कटनी मुड़वारा स्टेशन से थी। प्लेटफार्म पर इंतजार करते समय वेदांश को देखकर गोलू पटेल ने तुरंत पकड़ लिया और पास के थाने में सूचना दी। कटनी थाने में पदस्थ एसआई के. के. पटेल ने इस मामले में तत्काल सहयोग किया और गोटेगांव थाना प्रभारी प्रदीप सराफ को इसकी जानकारी दी। थाना प्रभारी ने परिजनों से बातचीत कर एसआई ऋषिराज रजक व आरक्षक नितिन को परिजनों के साथ कटनी भेजा। पुलिस टीम वेदांश को सुरक्षित लेकर गोटेगांव पहुंची और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल वेदांश किसी परिचित को पहचान नहीं पा रहा है। परिजनों ने ग्रामवासियों व रिश्तेदारों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

श्रावक संस्कार शिविर संपन्न, ऋतु जैन रहीं श्रेष्ठ शिविरार्थी

गोटेगांव। जैन धर्म के दस लक्षण पर्व के शुभ अवसर पर श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया और 06 सितंबर बसको शिविरार्थियों की योग्यता एवं ज्ञान का मूल्यांकन लिखित परीक्षा लेकर किया गया। गोटेगांव में विराजमान मुनि श्री 108 प्रबुद्ध सागरजी महाराज एवं मुनि श्री 108 निर्दोष सागरजी महाराज के मंगलमय सानिध्य में आयोजित इस श्रावक संस्कार शिविर का 07 अगस्त को विशेष शिविरार्थियों के नामों की घोषणा कर विधिवत समापन किया गया । संस्कार शिविर में 14 वर्ष से 80 वर्ष के शिविरार्थियों ने हिस्सा लिया। दस दिन तक चले इस संस्कार शिविर में शिविरार्थी धर्म, अध्यात्म की गंगा में गोते लगाते दिखे। श्वेत धोती दुपट्टे में दिनचर्या व्यतीत कर इन शिविरार्थियों ने सुबह 4:00 बजे से प्रार्थना जाप के साथ ही जिनेंद्र भगवान का अभिषेक ,पूजन ,संध्याकालीन आरती और गुरु सेवा तक खूब भक्ति कर पुण्यार्जन किया। उन्होंने मुनि श्री जी से धर्म के सार को समझा और अपने कर्मों की निर्जला की । संस्कार शिविर में जबलपुर ,जबेरा, गोटेगांव एवं अन्य स्थानों के शिविरार्थी शामिल हुए। इसके साथ ही अनेक शिविरर्थियों ने उपवास, व्रत किये। शिविर में प्रतिदिन होने वाले दैनिक धर्म कार्यक्रमों के साथ ही तत्वार्थ सूत्र का श्रवण भी किया। शिविर समापन अवसर पर 10 दिनों तक मुनि श्री के सानिध्य में शिविरर्थियों ने जो ज्ञान प्राप्त किया उसकी ली गई लिखित परीक्षा में महिला शिविरार्थी में श्रीमती ऋतु जैन संजीव नाहर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।वहीं द्वितीय स्थान पर श्रीमती चित्रा अनिल कुमार जैन एवं तृतीय स्थान श्रीमती समीक्षा राजकुमार जैन ने प्राप्त किया। वहीं पुरुष शिविरार्थी में मुन्नालाल जैन जबलपुर ने प्रथम ,राकेश कुमार जैन जबलपुर ने द्वितीय, मनोज कुमार जैन जबलपुर एवं अभिषेक जैन जबेरा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।प्रथम स्थान प्राप्त होने पर श्रीमती ऋतु जैन ने कहा ने कि हमने मुनि श्री जी के मंगलमय सानिध्य में जिनेंद्र भगवान की बहुत अच्छी पूजा की। धर्म साधना की। हम सबने मिलकर तत्वार्थ सूत्र वाचन ,जिनेंद्र भगवान का पूजन , दस लक्षण धर्म एवं जैन धर्म की बहुत सी गूढ़ बातें जानी और सीखी। हम सभी को गुरु जी का भरपूर वात्सल्य मिला। श्रीमती समीक्षा जैन ने कहा कि शिविर के दौरान हम सभी का बहुत अच्छा अनुभव रहा। शिविर के माध्यम से आत्म कल्याण की बहुत सी बातें जानी। श्रावक संस्कार शिविर प्रभारी राजकुमार जैन दमोह वाले एवं विद्वान पंडित संतोष कुमार जैन मड़ावरा ललितपुर के साथ ही शिविर संयोजक चक्रेश जैन का सराहनीय सहयोग रहा। चातुर्मास कमेटी द्वारा इन विशेष शिविरार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया एवं उनके पुण्य की सभी ने अनुमोदना की।